श्री बंशीधर नगर, शनिवार
01.03.2025
फाल्गुन शुक्लपक्ष द्वितीया संवत 2081
वर्ष : 03, अंक : 185

सूर्योदय-सूर्यास्त
उदय - 06:19 बजे
अस्त - 05:58 बजे

तापमान
अधिकतम : 29 डिग्री से.
न्यूनतम : 14 डिग्री से.

बंशीधर न्यूज

कलम है, तो आवाज़ बुलंद है...

डिजिटल अखबार | www.banshidharnews.com | छात्राओं व मां-बाप को डीसी ने किया सम्मानित >> पेज 03 | रकुल प्रीत सिंह बनीं लीड एक्ट्रेस >> पेज 04

सुविचार

किसी की मदद करने के लिए पैसों की नहीं, बल्कि बड़े दिल की जरूरत होती है

न्यूज अपडेट्स

रिश्वत लेते दरोगा गिरफ्तार

रांची। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने शुक्रवार को रांची के कोतवाली थाना के दरोगा ऋषिकांत को पांच हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे के हाथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार दरोगा ऋषिकांत ने यह पैसे पीड़ित शंकर गुप्ता से मोबाइल फोन रिलीज करने के एवज में लिये। इस संबंध में एसीबी को पीड़ित शंकर गुप्ता ने शिकायत की थी। इसके बाद एसीबी ने टीम बनाकर मामले की जांच की। जांच के दौरान आरोप सही पाया गया। इसके बाद टीम ने रंगे हाथ रुपये लेते दरोगा को महिला थाना परिसर से गिरफ्तार कर लिया।

डॉ दिनेश सिंह बने नीलांबर पितांबर विवि के वीसी

रांची। राज्यपाल संतोष गंगवार ने जीबी पंत कृषि विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और एचओडी डॉ दिनेश कुमार सिंह को पलामू के नीलांबर पितांबर विश्वविद्यालय का नया वीसी नियुक्त किया है। इस संबंध में राजभवन ने शुक्रवार को अधिसूचना जारी कर दी है। अधिसूचना में कहा गया है कि डॉ दिनेश कुमार सिंह के कार्यभार संभालने की तिथि से अगले तीन वर्षों तक वह पद पर बने रहेंगे।

डिजिटल शिक्षा मुख्यमंत्री ने प्राथमिक विद्यालयों के 28945 शिक्षकों को सौंपे टैबलेट, कहा

होनहार बच्चों को दे रहे प्रोत्साहन

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि आज जमाना डिजिटल हो चुका है। कोई भी ऐसा सेक्टर नहीं बचा है जो डिजिटलाजेशन से अछूता हो। डिजिटल सेवाओं में भी तेजी से बदलाव हो रहा है। हर दिन- डिजिटल सेवाएं अपग्रेड हो रही हैं। ऐसे में आप चाहे या ना चाहे, डिजिटल प्लेटफार्म से अपने को अलग नहीं रह सकते हैं।

मुख्यमंत्री सोरेन शुक्रवार को झारखंड मुख्यालय में स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की ओर से आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के 28945 शिक्षकों को टैबलेट वितरित किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे में बेहतर है कि वक्त के अनुरूप आप अपने और आने वाली पीढ़ी को तकनीकी रूप से मजबूत बनाएं। जब आप डिजिटल फ्रेंडली होंगे, तभी आगे बढ़ सकेंगे।

इस अवसर पर उन्होंने गुणवत्तायुक्त शिक्षा संवर्धन के लिए विद्यालय रिपोर्ट कार्ड एवं शिक्षकों के लिए 50 घंटे का अनिवार्य समेकित- सतत क्षमता विकास कार्यक्रम का भी ऑनलाइन शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के सरकारी विद्यालयों को डिजिटल सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में कई ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी कड़ी में आज प्राथमिक विद्यालयों को टैबलेट उपलब्ध करने के साथ एक नए अध्याय की शुरूआत हो रही है। इससे स्कूलों में उपस्थिति से लेकर सभी रिपोर्टिंग कार्य डिजिटल माध्यम से होंगे। वहीं, टैबलेट का प्रयोग बच्चों के पठन-पाठन, शिक्षकों के प्रशिक्षण, अनुश्रवण, बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज करने से संबंधित कार्यों की मॉनिटरिंग आसान हो जाएगी और उसके आधार पर शिक्षण व्यवस्था को बेहतर बनाने में काफी मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तकनीक में आज तेजी से बदलाव हो रहा है। आपकी मुट्ठी में मोबाइल है और उस मोबाइल में सारी दुनिया सिमट गई है। अब आपको ना को पर्स लेकर चलने की जरूरत है और ना ही कैश। आप अपने मोबाइल फोन के माध्यम से अपनी जरूरत को पूरा करने के साथ तमाम जानकारियां हासिल कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के होनहार बच्चों को विभिन्न माध्यम से सरकार प्रोत्साहित कर रही है ताकि वे आगे बढ़ सकें। आज जैक के साथ सीबीएसई और आईसीएसई बोर्ड के टॉपर्स को प्रोत्साहन राशि के साथ लैपटॉप और मोबाइल फोन दिया जा रहा है। वहीं, राज्य सरकार अपने खर्चे पर यहां के गरीब और होनहार विद्यार्थियों को विदेश में पढ़ने का मौका दे रही है। इसके अलावा अनेक ऐसी योजनाएं हैं, जिनके माध्यम से विद्यार्थियों को आगे बढ़नी एवं उनके भविष्य को संवारने का काम हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण इलाकों में डिजिटल सेवाओं के प्रभावित होने की बात बार-बार सामने आती है। डिजिटल कनेक्टिविटी की समस्या से तमाम प्रकार के कार्यों एवं सेवाओं में बाधा उत्पन्न होती है, जिससे लोगों को काफी परेशानियां होती है। ऐसे में सरकार सभी पंचायतों में मोबाइल टॉवर स्थापित करने की दिशा में कदम बढ़ाएगी ताकि डिजिटल माध्यम से होने वाले सभी सरकारी कार्य सुचारू, सरल एवं सुविधाजनक तरीके से संचालित हो सके।

इस अवसर पर मंत्री रामदास सोरेन, मुख्य सचिव अलका तिवारी, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, शिक्षा सचिव उमा शंकर सिंह एवं झारखंड राज्य शिक्षा परियोजना परिषद के निदेशक शशि रंजन मौजूद थे।

झारखंड की अर्थव्यवस्था ने पकड़ी रफ्तार, जीएसपीडी में 7.5 फीसदी वृद्धि का अनुमान

रांचीः बजट सत्र के चौथे दिन वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने झारखंड का आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत किया। आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष की तुलना में राज्य में आगामी वित्तीय वर्ष 2025-26 में जीएसडीपी अधिक होगी. आकलन के मुताबिक चालू वित्तीय वर्ष 2024- 25 में 6.7 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है। वहीं अगले वित्तीय वर्ष 2025-26 में 7.5 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। झारखंड आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 की रिपोर्ट के अनुसार राज्य की प्रति व्यक्ति आय वर्ष 2024-25 में स्थिर मूल्य पर 68,612 रुपये और वर्तमान मूल्य पर 1,14,271 रुपये और स्थिर मूल्य पर 72,836 रुपये और वर्तमान मूल्य पर 5,56,286 करोड़ रुपये होने का अनुमान है. आगामी वित्तीय वर्ष 2025-26 में इसके वर्तमान मूल्य पर राज्य की प्रति व्यक्ति आय 1,24,079 होने का अनुमान है।

राजकीय अर्थव्यवस्था में लगातार वृद्धि

रिपोर्ट के अनुसार राजकीय अर्थव्यवस्था में लगातार वृद्धि हुई है. पिछले 3 वर्षों में खासकर साल 2021-22 और 2023-24 के बीच राज्य के स्थिर मूल्य पर जीएसडीपी में औसतन वार्षिक 7.7% और वर्तमान मूल्य पर जीएसडीपी में 10.7% की दर से वृद्धि हुई है. इस वित्तीय वर्ष 2024-25 में स्थिर मूल्य पर 6.7% और वर्तमान मूल्य पर 9.8% की वृद्धि होने का अनुमान है. वहीं बात यदि राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था से राज्य की तुलना करें तो राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में झारखंड के जीएसडीपी में पिछले 5 वर्षों में सुधार हुआ है। वर्ष 2019-20 में राज्य का जीएसडीपी देश के वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद का 1.59% था जो वर्ष 2023- 24 में बढ़कर 1.64% हो गया।

पांच वर्षों में 10.4% बढ़ा राज्य का व्यय

आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार साल 2018-19 से 2023-24 के बीच यानी 5 वर्षों में राज्य का कुल व्यय 10.4% की औसत वार्षिक दर से बढ़ा है। वर्ष 2018-19 में राज्य का कुल व्यय लगभग 65,888 करोड़ रुपये था जो वर्ष 2022-23 तक बढ़कर 91,638 करोड़ रुपये और वर्ष 2023-24 में 1,07,921 करोड़ रुपये हो गया. चालू वित्तीय वर्ष में इसके 1,28,900 करोड़ रुपये होने का अनुमान है।

राजकोषीय घाटा भी लगातार बढ़ा

रिपोर्ट के अनुसार राजकोषीय घाटा भी लगातार बढ़ा है. वर्ष 2023-24 में राज्य का राजकोषीय घाटा राज्य के जीएसडीपी का सिर्फ 1.4% था, लेकिन चालू वित्तीय वर्ष में या जीएसडीपी का 1.9% रहने का अनुमान है. हालांकि पिछले 5 वर्षों में यानी 2018-19 से लेकर 2023-24 में राज्य के राजस्व प्राप्तियां औसतन 9.4% की वार्षिक दर से बढ़ी है. राज्य अपने संसाधन के जरिए आय बढ़ाने में सफल रहा है. जिसके तहत औसतन 12.5% की वार्षिक दर से वृद्धि हुई है. रिपोर्ट के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 में 1,10,800 करोड़ रुपये राजस्व प्राप्ति का अनुमान है. चालू वित्तीय वर्ष में कर राजस्व से 74,538.22 करोड़ और गैर कर राजस्व से 36261.8 करोड़ रुपये की प्राप्ति होने का अनुमान लगाया गया है। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि जो इकोनामिक सर्वे है वह झारखंड के एकदम फैक्ट पर आधारित है, जो वास्तविकता है. इस राज्य की आर्थिक सामाजिक स्थिति है उसका उल्लेख आर्थिक सर्वे में किया गया है. आप देखेंगे कि रेवेन्यू एक्सपेंडिचर और रेवेन्यू कलेक्शन हेमंत सोरेन जी के विगत 5 वर्षों के पूर्व की सरकार से बहुत ज्यादा बेहतर है. प्रति व्यक्ति आय बढ़ी है तो यूं ही नहीं बढ़ी है, रुरल सेक्टर में काम हुए हैं तब जाकर प्रति व्यक्ति आय बढ़ी है।

झारखंड के प्रधान महालेखाकार (एजी) इंदू अग्रवाल ने प्रेस वार्ता में कहा

रेमडेसिविर के 2512 इंजेक्शन हो गये थे एक्सपायर

रांची। झारखंड में कोरोना काल के दौरान फरवरी 2022 में जब लोग मर रहे थे। उस दौरान राज्य में 2512 रेमडेसिविर के 2512 इंजेक्शन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की लापरवाही के कारण एक्सपायर हो गये। यह खुलासा शुक्रवार को झारखंड के प्रधान महालेखाकार (एजी) इंदू अग्रवाल ने प्रेस वार्ता में किया। उन्होंने कहा कि फरवरी 2022 तक राज्य में 1,64,761 रेमडेसिविर इंजेक्शन उपलब्ध था। जिसके विरुद्ध 53,205 इंजेक्शन स्टॉक में था। इसके अलावा, पांच नमूना जांच की गयी डीएच को 4, 739 रेमडेसिविर इंजेक्शन मिला। वहीं अप्रैल 2021 और फरवरी 2022 के बीच केवल 696 रेमडेसिविर इंजेक्शन का ही उपयोग किया गया। इसमें 2512 इंजेक्शन एक्सपायर हो गयी। वहीं स्टॉक में 1,531 इंजेक्शन ही स्टॉक में मौजूद था। एसजी की ओर से कहा गया कि राज्य औषधि नियंत्रक, रांची को 6,990 इंजेक्शन जारी दिखाया गया। हालांकि डिलीवरी चालान की जांच की गयी तो पता चला कि यह इंजेक्शन एनएचएम के एमडी और राज्य औषधि नियंत्रक के टेलीफोनिक आदेश पर दो प्राइवेट सप्लायरों को जारी कर दिया गया था। उन्होंने बताया कि जेएमएचआईडीपीसीएल को इंजेक्शन की सप्लाई के लिए राज्य के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों के अलावा व्यक्तियों से चेक मिले थे। इन प्राप्त हुए चेक में से 39.66 लाख रुपये के ऐसे 63 चेक थे, जिनमें व्यक्तियों द्वारा दिए गए 29.14 लाख रुपये मूल्य के 58 चेक को बैंकों ने लौटा दिया।

3.16 करोड़ के राजस्व का नुकसान : उन्होंने कहा कि झारखंड ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन सोसाइटी (जेआरएचएमएस) और सीएस-सह-सीएमओ की ओर से निजी अस्पतालों से, जिन्हें वेंटिलेटर किराए पर दिए गए था। ऐसे लोगों से सिक्यूरिटी के रुप में जमा कराया गया 69 लाख रुपये और 3.16 करोड़ का किराया वसूलने में स्वास्थ्य विभाग विफर रहा। इससे राजस्व का नुकसान हुआ। स्वास्थ्य विभाग में भारी गड़बड़ी एजी की जांच में स्वास्थ्य विभाग में भारी गड़बड़ी पायी गयी। रिपोर्ट में कहा गया है कि कोडरमा और चाईबासा में मेडिकल कॉलेज और अस्पताल का निर्माण 653.61 करोड़ रुपये की लागत से शुरू किया गया था। जिसे जनवरी 2022 में पूरा करना था। लेकिन अगस्त 2022 तक तक चाईबासा में आठ प्रतिशत काम और कोडरमा में केवल 12 प्रतिशत ही किया जा सका। शेष काम अधूरा था। इसके अलावा खरसावां में भी 500 बेड वाले अस्पताल भवन का निर्माण 142.88 करोड़ रुपये की लागत से होना था। लेकिन विभाग की काम में बार-बार बदलाव और मंजूरी में देरी के कारण अगस्त 2022 तक भवन का काम पूरा नहीं हो सका। इसी तरह से दुमका जिले के हंसडीहा में 100 बेड वाला अस्पताल को मानव बल के मंजूरी नहीं मिलते के चलते नहीं शुरू किया जा सका। वहीं गढ़वा जिले के खरौंधी में बनने वाले सीएचसी के भवन का निर्माण कार्य जो 2.25 करोड़ में जनवरी 2016 तक पूरा हुआ था।

पलामू जिले में 251 अनुसेवक सेवामुक्त

मेदिनीनगर। पलामू जिले में 251 अनुसेवकों को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। इन अनुसेवकों की बहाली वर्ष 2010 में हुई थी। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर पलामू जिला प्रशासन ने सभी को बर्खास्त करने की कार्रवाई की। हालांकि 2010 में ही बहाल हुए सात अनुसेवकों की सेवा अभी भी बरकरार रखी गई है। इसे लेकर भारी असंतोष की स्थिति बनी हुई है। सेवा से बर्खास्त हुए अनुसेवक शुक्रवार को शिवाजी मैदान में जुटे एवं बर्खास्तगी की कार्रवाई पर रोष व्यक्त किया। कहा गया कि इस निर्णय के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की गई है। अगले आदेश का इंतजार किया जा रहा है। अनुसेवकों ने कहा कि बिना विधि परामर्श विभाग से परामर्श लिए ही उन्हें सेवा मुक्त किया गया है। इस मामले में झारखंड सरकार की भूमिका ठीक नहीं रही। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर झारखंड सरकार और पलामू के उपायुक्त को अपील में जाना चाहिए था, लेकिन ऐसा अब तक नहीं किया गया और उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया। गौरतलब है कि पलामू जिले में वर्ष 2010 में विज्ञापन संख्या 1-2010 के अनुसार 255 चतुर्थवर्गीय पदों पर बहाली हुई थी। हालांकि बहाली के दौरान पदों की संख्या निर्धारित नहीं की गई थी और आरक्षण रोस्टर का पालन नहीं किया गया था। इस बहाली के खिलाफ पलामू के ही अमृत कुमार के द्वारा सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में सुनवाई करते हुए सभी बहाली को फर्जी पाया और कर्मियों को सेवा से बर्खास्त करने का निर्देश दिया था।

अभिनेत्री जया प्रदा करेंगी शौकत खान को सम्मानित

बंशीधर न्यूज

गढ़वा : गरीबों के मसीहा कहे जाने वाले तिरंगा वाले शौकत खान को पटना में 9 मार्च को अभिनेत्री सह सांसद जया प्रदा सम्मानित करेंगी। इसकी जानकारी देते हुये राष्ट्रीय तिरंगा सम्मान समारोह के आयोजक सह अनेक निःशुल्क बैंक के संस्थापक शौकत खान ने बताया कि मेरे लिये गौरवान्वित भरा संदेश आया है। बीईबी के मंच पर पटना में फिल्म अभिनेत्री जया प्रदा के हाथों बीईबी एक्सीलेंस अवॉर्ड 2025 से मुझे सम्मानित किया जायेगा। बताते चलें कि सेना और शहीदों के सम्मान में लगातार दस वर्षों से भी अधिक समय से हजारों लाखों अनेक सराहनीय सेवा कार्य करते हुये देश में परचम लहराने वाले शौकत खान को अब तक सैकड़ों सम्मान और अवार्ड पुरस्कार मिल चुका है। शौकत खान की सेवा कार्यों की बात करें तो इन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर कई अनोखे कार्य किये हैं। शौकत खान ने आज से ग्यारह वर्ष पूर्व राष्ट्रीय तिरंगा सम्मान समारोह के नाम देकर हर घर तिरंगा का शुभारंभ किया। अब तक दो लाख से अधिक नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज भेंटकर शौकत खान ने देशभर में इतिहास रच दिया। उसके बाद शौकत खान ने गरीबों के लिये निःशुल्क कपड़ा बैंक की शुभारंभ 2015 में किया और देखते देखते कपड़ा बैंक इतना प्रसिद्ध हो गया कि अब तक शौकत खान ने देशभर में हजारों जगहों पर निःशुल्क कपड़ा बैंक खोलवाकर देश भर के लिये प्रेरणा स्रोत बन चुके हैं। शौकत खान गरीबों के लिये निःशुल्क चावल बैंक, सत्तू बैंक, पुस्तक बैंक भी प्रतिदिन संचालित करते हैं। सबसे बड़ी बात शौकत खान की ये है कि ये किसी से भी आर्थिक सहयोग नहीं लेते हैं और इनका कोई एनजीओ भी नहीं है और ना ही किसी राजनीतिक से सम्बन्ध रखते हैं।

न्यूज अपडेट्स

अनुमंडल अस्पताल में डॉक्टरों की मनमानी

हुसैनाबाद : झारखंड सरकार बेहतर चिकित्सा व्यवस्था को लेकर सजग है। विधायक संजय कुमार सिंह यादव भी अनुमंडल अस्पताल में बेहतर चिकित्सक, व चिकित्सीय व्यवस्था को लेकर लगातार प्रयासरत हैं। उन्होंने इसके लिये राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी को पत्र लिखकर हुसैनाबाद हरिहरगंज विधानसभा क्षेत्र की चिकित्सा व्यवस्था में हो रही कमी को दूर करने का आग्रह किया है। समय समय पर हुसैनाबाद एसडीओ भी अनुमंडल अस्पताल का औचक निरीक्षण कर चिकित्सीय व्यवस्था में सुधार करने का निर्देश देते रहे हैं लेकिन हुसैनाबाद अनुमंडल अस्पताल के चिकित्सक, कर्मी एवं अस्पताल प्रबंधन व्यवस्था में सुधार करने में असफल रहा है। अनुमंडल अस्पताल केवल रेफरल अस्पताल बन कर रह गया है। अनुमंडल अस्पताल का सबसे अधिक उपयोग मरे हुये लोगों को पोस्टमार्टम करने एवं लड़ाई झगड़ा होने पर ईलाज के लिये किया जाता है। अगर पोस्टमार्टम की व्यवस्था प्राईवेट हॉस्पिटल में भी होती तो इसके लिये भी लोग सरकारी अस्पताल में नहीं जाते। समय पर चिकित्सा उपलब्ध नहीं रहने के कारण हुसैनाबाद का एक बड़ा हिस्सा प्राइवेट अस्पतालों में इलाज करने को मजबूर है। बुधवार को दोपहर 2:30 बजे के बाद कई मरीज अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद से इलाज कराये बगैर ही लौट गये। लगभग ढाई बजे से तीन बजे के बीच में अनुमंडल अस्पताल में डॉ मुकेश कुमार सिंह ड्यूटी पर थे कई मरीज ने उनसे देखने के लिये आग्रह किया की लेकिन उन्होंने मरीजों की बात को नहीं सुना। जनरल ड्यूटी पर तैनात धर्मजीत कुमार ने भी डॉ मुकेश कुमार सिंह को बीपीएम का रेफरेंस देते हुए कहा कि सबको देख लीजिए बीपीएम सर बोले हैं। तब डॉ मुकेश कुमार सिंह ने कहा कि बीपीएम को ही बोल दो वहीं सबको देख लें।वहीं उपस्थित कुछ लोगों ने बताया कि डॉ मुकेश कुमार सिंह सिद्धनाथ गेट के समीप झारखंड मेडिकल के पास प्राइवेट ओपीडी में देखते हैं आपलोग वहां 400 रुपये फीस देकर उनसे ईलाज करा सकते हैं। इस प्रकार से मरीज को सरकारी अस्पताल से प्राईवेट हॉस्पिटल में भेजा जाता है।

गढ़वा ▶ **जीएन कॉन्वेंट में सीवी रमन के सम्मान में सेमिनार**

विज्ञान दिवस के थीम पर गहन चर्चा

बंशीधर न्यूज

गढ़वा : शहर के ज्ञान निकेतन कॉन्वेंट प्लस टू स्कूल में महान भारतीय वैज्ञानिक सीवी रमन के सम्मान में एक सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय के निदेशक सह शिक्षाविद मदन प्रसाद केशरी एवं उपप्राचार्य बसंत ठाकुर ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर एवं सीवी रमन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया। इस अवसर पर विद्यालय में स्थित विज्ञान प्रयोगशाला में बच्चों को विज्ञान शिक्षक ने विभिन्न उपकरणों एवं रासायनिक पदार्थों के बारे में विस्तार से बताया। मौके पर निदेशक श्री केशरी ने कहा कि 28 फरवरी ही वह दिन है जब दुनिया भर में प्रसिद्ध भारतीय वैज्ञानिक सीवी रमन ने अपनी खोज रमन इफेक्ट की घोषणा की थी। इस खोज के लिये उन्हें 1930 में नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया था। सीवी रमन के इस महान अविष्कार के सम्मान में भारत सरकार ने 1986 में तय किया कि हर वर्ष 28 फरवरी का दिन राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के तौर पर मनाया जायेगा। हर साल सरकार की ओर से राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की कुछ न कुछ थीम भी रखी जाती है। इस बार इसकी थीम विकसित भारत के लिये स्वदेशी तकनीक रखी गई है। पारदर्शी पदार्थ से गुजरने पर प्रकाश की करने में आने वाले बदलाव पर की गई। उनकी महत्वपूर्ण खोज को रमन इफेक्ट के नाम से जाना जायेगा। जब प्रकाश की किरणें अलग-अलग चीजों से टकराती हैं या उनमें से होकर गुजरती हैं तो तरंगों के बिखरने के बाद उन पर वह उनकी गति पर क्या असर होता है उनकी खोज यह सब बताती थी। रमन इफेक्ट खोज का उपयोग आज पूरी दुनिया में हो रहा है। 1954 में भारत सरकार ने उन्हें सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से नवाजा। कार्यक्रम का संचालन बसन्त ठाकुर व धन्यवाद ज्ञापन विज्ञान शिक्षक वीरेन्द्र साह ने की। मौके पर नीरा शर्मा, विकास कुमार, रागिनी कुमारी, ऋषभ, शिवानी, पूजा, ज्योति कुमारी, सरिता दुबे आदि उपस्थित थे।

सुनील बैठा बने झामुमो हासनदाग पंचायत कमेटी के अध्यक्ष व गुलबास सचिव

बंशीधर न्यूज

मेराल : प्रखंड के हासनदाग पंचायत भवन के मैदान में शुक्रवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा की बैठक पर्यवेक्षक संजय भगत की अध्यक्षता में हुई। जिसमें पंचायत कमेटी का गठन किया गया। मौके पर पर्यवेक्षक द्वारा पार्टी के नीति एवं सिद्धांत के बारे में विस्तार से बताया गया। बैठक में बड़ी संख्या में हासनदाग तथा रेजो गांव के उपस्थित कार्यकताओं ने विचार विमर्श के बाद सर्वसम्मति से सुनील बैठा को अध्यक्ष तथा गुलबास अंसारी को पंचायत सचिव के लिये चयन किया। जबकि पंचायत के सभी सातों बुथ के लिये 15-15 लोगों को बुथ स्तरीय सदस्य बनाया गया। बैठक में मुख्य रूप से प्रखंड अध्यक्ष दशरथ प्रसाद, मुखिया पति हरेंद्र चौधरी, बृजराज चौबे, अवध किशोर चौबे, अमित चौबे, प्रणय चौबे, अनिल चौधरी, कोमल चौधरी, मानदेव बैठा, राजू पासवान, द्वारिका चौधरी, रामसागर ठाकुर, सुरेंद्र चौधरी, नागेश्वर शर्मा, नागेंद्र चौधरी, राजेंद्र चौधरी, नीतीश कुमार सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

लोहिया समता उच्च विद्यालय केतार के प्रांगण में खेल प्रतियागिता

नाईट कॉस्को क्रिकेट टूर्नामेंट आज से, 32 टीमें लेंगी हिस्सा

बंशीधर न्यूज

केतार : लोहिया समता उच्च विद्यालय केतार के प्रांगण में अगामी एक मार्च से श्री श्री चतुर्भुजी नाईट क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया जायेगा। इसे लेकर युवा समाजसेवी सह जिप उम्मीदवार पंकज सिंह ने प्रेसवार्ता की। उन्होंने बताया कि केतार प्रखंड जैसे सुदूरवर्ती इलाका में कॉस्को क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन होने से गांव के खिलाड़ियों को प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा। टूर्नामेंट 1 से 25 मार्च तक चलेगी। जिसमें 32 टीमें भाग लेंगी। टूर्नामेंट आयोजन के अध्यक्ष विभूति नारायण सिंह ने बताया कि जो भी टीम भाग लेंगे उन्हें एंट्री फीस 3500 रुपये देने होंगे। विजेता को प्रथम पुरस्कार 51 हजार एवं कप से नवाजा जायेगा। वहीं द्वितीय पुरस्कार 31000 रुपये दिये जाएंगे। एनुअल परवेज ने बताया कि प्रत्येक मैच 12-12 ओवर का होगा और फाईनल मैच में जो टीम जायेगी उन्हें 16-16 ओवर का मैच खिलाया जायेगा। टीमों की ठहरने की समुचित व्यवस्था कमेटी करेगी। मौके पर संरक्षक गौतम पाल, सचिव रामाश्रय मेहता, रविंद्र सोनी, अंकू सिंह, गुड्डू सिंह, आशुतोष मेहता, छोटू पाल आदि लोग उपस्थित थे।

निःशुल्क शिविर : 130 मरीजों को दी जायेगी नई रोशनी

विश्रामपुर : शहर के लक्ष्मी चंद्रवंशी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में आयोजित मोतियाबिंद का दो दिनी निःशुल्क ऑपरेशन शिविर का शुभारंभ शुक्रवार को हुआ। शुभारंभ आरसीयू के कुलाधिपति सह प्रदेश भाजपा नेता डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी उर्फ मुन्ना चंद्रवंशी ने मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ (प्रो) सुभाष तेतरवे, रजिस्ट्रार डॉ देवाशीष मंडल व चिकित्सकों के साथ किया। डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी ने अपने संबोधन में कहा कि क्षेत्र में नेत्र रोगियों को देखते हुये उक्त आई कैम्प का आयोजन किया गया है। ताकि यहां के लोगों को बाहर जाने की परेशानी उठाना नहीं पड़े। वहीं वैसे लोगों का भी आंखों का ऑपरेशन आसान तरीके से हो सके जो आर्थिक रूप से कमजोर है। या फिर यह कहा जाय कि वे बाहर जाकर इलाज कराने में असमर्थ हैं। उन्होंने यह भी कहा कि दुनियां के सभी तरह के सामाजिक कार्यों में इससे बड़ा कोई मानव धर्म नहीं है। किसी भी व्यक्ति को नेत्र ज्योति प्रदान करना सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है। उन्होंने कहा कि 130 मरीजों को जांच पड़ताल के बाद ऑपरेशन के लिये उपयुक्त पाया गया है जिनका नि:शुल्क ऑपरेशन नेत्र विशेषज्ञों द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने कॉलेज की ओर से चलाये जा रहे अन्य सामाजिक कार्यों का भी उल्लेख किया। मौके पर भाजपा नेता रामचन्द्र यादव, डॉ श्रावंती, डॉ आशुतोष, डॉ रविभूषण पांडेय, डॉ हरिभूषण, डॉ अरविंद कुमार त्रिपाठी, डॉ अविनाश, डॉ नागेन्द्र, सोनल, प्रज्ञा, दिव्यांशु, सौरभ, गौरव, नीतीश कुमार, संदीप कुमार आदि उपस्थित थे।

कुंभी ने बनखेता को 56 रनों से हराकर कप पर जमाया कब्जा

मेराल : प्रखंड के कुंभी मैदान में खेले जा रहे अरंगी पंचायत क्रिकेट लीग टूर्नामेंट सीजन-2 का फाईनल मैच का उद्घाटन समाजसेवी अजय विश्वकर्मा ने फीता काटकर तथा बॉल को हिट कर किया। टूर्नामेंट में आधा दर्जन टीमों ने भाग लिया। जिसमें फाईनल मैच बनखेता एवं कुंभी क्रिकेट टीम के बीच खेला गया। बनखेता टीम के कप्तान कृष्णा यादव ने टॉस जीतकर पहले फीलिडंग करने का फैसला लिया। कुंभी की टीम ने निर्धारित 12 ओवर में 136 रन बनाया। जवाबी पारी खेलने उतरी बनखेता की टीम ने 10 .5 ओवर में ही ऑल आउट हो गया। इस तरह कुंभी की टीम ने 56 रनों से मैच जीत कर खिताब पर कब्जा जमा लिया। विजेता टीम को शिल्ड व मेडल तथा दस हजार रुपये नगद देकर पुरस्कृत किया गया। वहीं उपविजेता बनखेता टीम को शिल्ड व मेडल प्रदान किया गया। मैन ऑफ द मैच के लिये कुंदन पटेल, मैन ऑफ द सीरीज के लिये सुरेंद्र सिंह तथा बेस्ट गेंदबाज के रूप में सुरेंद्र ठाकुर को समिति द्वारा नामित किया गया। उद्घाटन मैच के अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में भरत चौधरी, सत्येंद्र चौधरी, सत्यनारायण यादव, प्रदीप सिंह, भोला सिंह, महेंद्र यादव, वासुदेव चौधरी आदि शामिल थे। टूर्नामेंट को सफल बनाने में समिति के अध्यक्ष रविरंजन विश्वकर्मा, सुरेंद्र सिंह आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

फांसी लगाकर आत्महत्या

मझिआंव : थाना क्षेत्र अंतर्गत रामपुर पंचायत के विडंडा में लगभग 26 वर्षीय युवक ने अपने ही घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मिली जानकारी के अनुसार स्व जसमुद्दीन अंसारी के पुत्र नौशाद अंसारी ने अपने ही मिट्टी के मकान में दुपट्टा के सहारे फांसी लगा लिया। जिसके बाद परिजनों द्वारा हत्या की जानकारी मझिआंव थाना को दी गई। वहीं सूचना पाते ही प्रभारी थाना प्रभारी चंदन प्रधान अपने दल बल के साथ मृतक के घर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस को पहुंचने से पहले ही शव को फांसी के फंदे से उतार दिया गया था। इधर मृतक का बड़ा भाई इरशाद अंसारी एवं माता सफीना बीबी ने पुलिस को एक लिखित आवेदन दिया गया जिसमें उल्लेख किया गया है कि नौशाद अंसारी का दिमागी हालत कुछ ठीक नहीं था जिसका इलाज रांची में कराया जा रहा था। नौशाद पहले भी एक दो बार आत्महत्या करने की कोशिश किया था लेकिन आनन फानन में उसे बचा लिया गया था। साथ ही परिजनों ने कहा कि हमें किसी प्रकार की कोई संदेह नहीं है। जानकारी के अनुसार नौशाद अपनी पत्नी को मायके पहुंचाकर गुरुवार को ही घर लौटा था। पुलिस ने घटना की विस्तृत जानकारी लेते हुये शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु गढ़वा सदर अस्पताल भेज दिया। प्रभारी थाना प्रभारी ने बताया कि पोस्टमार्टम के लिये शव को गढ़वा भेज दिया गया है। आत्महत्या है या हत्या इन दोनों बिंदुओं पर जांच की जा रही है।

गरीबों के राशन पर डाका : सवा सौ क्विंटल अनाज डकार गया डीलर, लाभुक परेशान

नीलू चौबे

श्री बंशीधर नगर : सरकार गरीबों की क्षुधा तृप्ति के लिये राशन दे रही है, लेकिन सिस्टम की गड़बड़ी से राशन गरीबों तक नहीं पहुंच पा रही है। राशन गरीबों के बीच बांटने के बजाय डीलर खुद डकार जा रहे हैं। ऐसा ही मामला नगर ऊंटारी प्रखंड के कुंबा खुर्द पंचायत में सामने आया है। यहां पूजा महिला स्वयं सहायता समूह की डीलर के द्वारा फरवरी माह का अनाज (1 सौ 25 क्विंटल 39 किलो) गरीबों के बीच बांटने के बजाय खुद डकार लिया गया है। जानकारी के मुताबिक प्रखंड के कुंबाखुर्द में कुल 479 कार्डधारी हैं। इन कार्डधारियों को अनाज उपलब्ध कराने की जिम्मेवारी पूजा महिला स्वयं सहायता समूह की डीलर की है। डीलर के द्वारा लाभुकों के लिये प्रतिमाह 1 सौ 25 क्विंटल 39 किलो अनाज का उठाव अनाज गोदाम से किया जाता है। फरवरी माह का भी अनाज लाभुकों के बीच वितरण करने के लिये डीलर के द्वारा गत 27 जनवरी को अनाज गोदाम से 1 सौ 25 क्विंटल 39 किलो अनाज (चावल) का उठाव किया गया था। किंतु डीलर के द्वारा अनाज को अपने दुकान में ले जाने एवं लाभुकों के बीच वितरण करने के बजाय खुले बाजार में अनाज की कालाबाजारी कर दी गई और लाभुकों से राशन के लिये बाकायदा अंगूठा भी लगवा लिया गया। अब लाभुक फरवरी माह का अनाज लेने के लिये लगातार डीलर के यहां चक्कर काट रहे हैं। किंतु डीलर के द्वारा उनलोगों की एक नहीं सुनी जा रही है। उल्टे डीलर के द्वारा लाभुकों को डाट फटकार लगाई जा रही है। जिससे लाभुक परेशान हैं। उधर इस संबंध में पूछे जाने पर सीओ विकास कुमार सिंह ने कहा कि मामले की जांच कर दोषी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

न्यूज अपडेट्स

सास को घर छोड़कर लौट रहा युवक की सड़क हादसे में हुई मौत

विश्रामपुर : रेहला थाना क्षेत्र के शंखा गांव के निकट फोरलेन पर हुई सड़क दुर्घटना में बाईक सवार एक युवक की मौत हो गयी है। घटना करीब साढ़े छह बजे की बताई जा रही है। मृत युवक की पहचान रेहला थाने के घघुआ गांव के केश्वर चौधरी (27) के रूप में हुई है। मृतक अपनी सास को छोड़ने पांडू थाने के रतनाग गया था। घर वापस लौटने के दौरान शंखा और केतात गांव के समीप उसकी टक्कर एक धान कूटने वाला मशीन से ओ गयी। जिसमें वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जख्मी हालत में उसे एम्बुलेंस से हॉस्पिटल ले जाया जा रहा था। इसी बीच उसकी मौत हो गयी। मौके पर पहुंची रेहला पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

डॉ कौशल ने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से की मुलाकात

मेदिनीनगर : पर्यावरणविद डॉ कौशल किशोर जायसवाल ने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से उनके आवास पर मुलाकात कर पर्यावरण धर्म के तहत तमिलनाडु के रक्त चंदन का पौधा भेंट कर उनका स्वागत किया। केंद्रीय रक्षा मंत्री से बातचीत के दौरान डॉ कौशल ने कहा कि प्रकृति के सुखद संयोग से आज समाज के दो महान रक्षकों को एक साथ बैठने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। बस दोनों रक्षक में इतना फर्क है कि मंत्री जी के निर्देशन में देश की सरहद की रखवाली हो रहा है। जबकि पर्यावरणविद डॉ कौशल के पौधरोपण व वितरण अभियान से धरती और ब्रह्मांड के 84 लाख योनी जीवों की सुरक्षा हो रही है। रक्षा मंत्री से डॉ कौशल ने बताया है कि पलामू जिले के छतरपुर अनुमंडल के ग्राम पंचायत डाली बाजार के कौशल नगर में पर्यावरण की नई परिभाषा गढ़ने के लिये और पर्यावरण की शिक्षा देने के लिये दुनिया का पहला पर्यावरण धर्म ज्ञान मंदिर का निर्माण कराया गया है।

कार्यक्रम टाउन हॉल में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अंतर्गत सम्मान समारोह

छात्राओं व मां-बाप को डीसी ने किया सम्मानित

बंशीधर न्यूज

गढ़वा : नीलाम्बर पीताम्बर बहुद्देशीय सांस्कृतिक भवन टाउन हॉल में शुक्रवार को डीसी शेखर जमुआर की अध्यक्षता में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अंतर्गत सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। स्कूली छात्राओं ने डीसी का स्वागत पौधा देकर एवं स्वागत गीत गाकर किया। कार्यक्रम की शुरूआत डीसी समेत अन्य पदाधिकारियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम में पेंटिंग, डांसिंग, सिंगिंग, स्पीच, एसे राइटिंग समेत कई प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में जिला में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली बालिकाओं एवं उनके माता-पिता को सम्मानित किया गया। मौके पर डीसी श्री जमुआर ने कहा कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का नारा हमारे देश में सार्थक हो रहा है। विभिन्न क्षेत्रों में देश की बेटियां

अपनी सहभागिता निभा रही हैं तथा देश के विकास में बढ़ चढ़कर समान रूप से सहयोग कर रही हैं। उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के नारा की आवश्यकता अब नहीं होनी चाहिये बल्कि यह सभी के जेहन में होना चाहिये कि बेटा बेटी एक समान है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान पूरी तरह से लड़की की समस्या को हल नहीं कर सकता, इसे भारत के सभी नागरिकों द्वारा समर्थित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसे 2015 में शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य बालिकाओं को सुरक्षा और शिक्षा प्रदान करना है। साथ ही समाज में लिंग भेदभाव और सांस्कृतिक पूर्वाग्रह को समाप्त करना है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का उद्देश्य छात्रों को लैंगिक समानता और बालिकाओं के अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। इससे यह समझने में मदद करता है कि लड़कियों को शिक्षा और सुरक्षा देना क्यों जरूरी है और समाज में इसका क्या सकारात्मक प्रभाव हो सकता है। पुलिस उपाधीक्षक यशोधरा ने भी बालिकाओं को सशक्त करने एवं उच्च शिक्षा प्राप्त करने की बात कही। उन्होंने कहा कि इस योजना का मकसद, लिंगानुपात में सुधार लाना और महिलाओं के सशक्तीकरण को बढ़ावा देना है। मौके पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी प्रमेश कुशवाहा, विभिन्न प्रखंडों के सीडीपीओ, महिला पर्यवेक्षिका समेत काफी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं उनके माता-पिता आदि उपस्थित थे।

विधायक अनंत ने सदन में डोमनी बराज का मामला उठाया

बंशीधर न्यूज

श्री बंशीधर नगर : विधायक अनंत प्रताप देव ने शुक्रवार को भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र की दो महत्वपूर्ण मामलों को विधानसभा में उठाया है। उन्होंने विधानसभा अंतर्गत खरौंधी प्रखंड के महत्वाकांक्षी डोमनी बराज योजना शीघ्र चालू करने की मांग सदन में उठाया। विधायक ने सदन को बताया कि वर्ष 2014-15 में डोमनी

बराज योजना की स्वीकृति दी गई थी। इस योजना का शिलान्यास तत्कालीन केंद्रीय मंत्री के द्वारा 30 जुलाई को किया गया था। बराज निर्माण में रैयतदारों की अधिग्रहित भूमि का मुआवजा राशि भी लंबित है और कंजर कंट्रक्शन प्राईवेट कंपनी पटना को 40 करोड़ 41 लाख की लगता से एकरारनामा किया गया था। लेकिन कंट्रक्शन द्वारा कार्य पूर्ण नहीं किया गया। जिससे 25 हजार किसानों को मानसून पर निर्भर रहना पड़ता है। उन्होंने योजना को पूर्ण कराने एवं लंबित मुआवजा राशि दिलाने की मांग की। विधायक ने भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत सभी सामुदायिक स्वास्थ केंद्र में स्थाई रूप से महिला चिकित्सक की पदस्थापन करने की भी मांग की।

तेज रफ्तार से आ रही टेम्पो पेड़ से टकराया, पांच परीक्षार्थी घायल

विशुनपुरा : प्रखंड के पतिहारी गांव से मैट्रिक के परीक्षार्थियों को लेकर परीक्षा केंद्र मध्य विद्यालय विशुनपुरा आ रही टेम्पो के पेड़ से टकरा जाने के कारण सभी परीक्षार्थी गंभीर रूप से घायल हो गये।घटना शुक्रवार की सुबह विशुनपुरा-नगर ऊंटारी मुख्य पथ पर कमता गांव में स्थित हिंदुस्तान पेट्रोल पंप के पास की है। घायलों में छात्र आफरिन खातून, समीर अंसारी, अली राजा, तमन्ना खातून, शबाना खातून आदि के नाम शामिल हैं। उक्त सभी छात्र-छात्राओं को प्राथमिक इलाज के बाद एम्बुलेंस से सदर अस्पताल गढ़वा भेज दिया गया है। घटना में अली राजा का स्थिति नाजुक बताई जा रही है। घटना के विषय में मिली जानकारी के अनुसार उक्त टेम्पो पतिहारी गांव से मैट्रिक के परीक्षार्थियों को लेकर परीक्षा देने के लिये विशुनपुरा आ रही थी। इसी बीच उक्त टेम्पो अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। जिससे उसमें बैठे सभी छात्र-छात्रा घायल हो गये और चीखने-चिल्लाने लगे। स्थानीय ग्रामीणों एवं प्रशासन की मदद से सभी छात्र-छात्राओं को टेम्पो से बाहर निकालकर इलाज के लिये विशुनपुरा में निजी क्लिनिक में भेजा गया। जहां प्राथमिक इलाज के बाद छात्र-छात्राओं को एम्बुलेंस से सदर अस्पताल गढ़वा भेज दिया गया। उधर घटना की सूचना मिलने पर थाना प्रभारी राहुल कुमार सिंह ने दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच कर घटना की जानकारी ली तथा गाड़ी को जब्त कर लिया।

सेवानिवृत्त सहायक अध्यापक को दी गयी विदाई

विश्रामपुर : उंटारी रोड प्रखंड के न्यू प्राथमिक विद्यालय जरही टोला के सहायक अध्यापक विनोद पाल को सेवानिवृत्ति के बाद विदाई दी गई। शुक्रवार को विद्यालय परिसर में शिक्षक प्रेम पाल की अध्यक्षता एवं मनोहर पासवान के संचालन में जिला अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह सहित कई शिक्षक उपस्थित थे। सहायक अध्यापक संघ के जिलाध्यक्ष श्री सिंह ने कहा कि शिक्षक कभी सेवानिवृत्त नहीं होते हैं। विभागीय सेवा नियमावली के अनुसार सेवानिवृत्ति एक सरकारी प्रकिया है। जिस प्रक्रिया से सभी शिक्षक या सरकारी कर्मियों को गुजरना पड़ता है। विदाई समारोह मे प्रखंड से आये दर्जनों उत्क्रमित विद्यालय और प्राईमरी विद्यालय के शिक्षक सहित मंचासीन मुखिया कमला देवी, पूर्व मुखिया नंदु चौधरी, सहायक अध्यापक संघ के अध्यक्ष अखिलेश सिंह, सचिव नीरज सिंह ने सहायक अध्यापक विनोद पाल के सेवाकाल की काफी सराहना की। मौके पर शिक्षक राममोहन रजक, विनय चंद्रवशी, अनिल ठाकुर, अरविंद सिंह, उदय कुमार, संजय चौधरी, विजय कुमार सिंह, सुरेंद्र विश्वकर्मा, सुरेंद्र राम, प्रमोद चौधरी, भरदुल पासवान सहित कई लोग विदाई समारोह मे शामिल थे।

पीएलवी ने लीगल लिट्रेसी कैंप का किया आयोजन

गढ़वा : जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वावधान में मेराल प्रखंड के ग्राम दलेली के उत्क्रमित मध्य विद्यालय में लीगल लिट्रेसी कैंप का आयोजन किया गया। इस दौरान पीएलवी ने बच्चों को कानून के बारे में जानकारी दी। साथ ही सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। लीगल लिट्रेसी कैंप के दौरान स्कूल में दो अनाथ बच्चों के बारे में जानकारी मिली। जिन्हें स्पॉन्सरशिप योजना की जानकारी दी गई। बच्चों को बाल श्रम, बाल विवाह, नशा मुक्ति, चाईल्ड हेल्पलाईन नंबर 1098 की जानकारी दी। मौके पर पीएलवी सुधीर चौबे, जितेन्द्र कुमार, शिक्षक केशर सिंह, प्रभुनाथ साह सहित काफी संख्या में बच्चे उपस्थित थे।

सविमं के आचार्य कौशलेंद्र झा की सेवानिवृत्ति पर स्नेह मिलन सह विदाई समारोह

हमारे पथ प्रदर्शक रहे हैं कौशलेन्द्र आचार्य जी : रविकांत पाठक

बंशीधर न्यूज

श्री बंशीधर नगर : सरस्वती विद्या मंदिर में आचार्य कौशलेन्द्र झा के सेवानिवृत्त होने पर स्नेह मिलन सह विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का शुभारंभ विद्यालय के अध्यक्ष जोखू प्रसाद, पूर्व संघचालक विद्या सागर, वर्तमान संघचालक काशी महतो, सचिव रविप्रकाश, कोषाध्यक्ष राजकुमार प्रसाद, सह सचिव चंदन कुमार, अभिभावक प्रतिनिधि शशि कला, समिति सदस्य अशोक कुमार सिंह, शैलेश कुमार अग्रवाल,

प्रधानाचार्य रविकांत पाठक एवं आचार्य कौशलेन्द्र झा ने संयुक्त रूप से भारत माता, ओम और मां शारदे के चित्र के समक्ष दीप जलाकर व पुष्पार्चन कर किया। आचार्य सुधीर प्रसाद श्रीवास्तव के द्वारा आगन्तुक अतिथियों का परिचय कराया गया। अपने उद्बोधन के क्रम में विद्यालय के सचिव रवि प्रकाश ने कहा कि आचार्य कौशलेन्द्र झा संस्कृत के साथ-साथ अंग्रेजी एवं विविध विषयों के विद्वान हैं, विद्यालय के अलावा समाज में भी इनकी अच्छी पैठ है। प्रधानाचार्य रविकांत पाठक ने कहा कि पिता तुल्य कौशलेन्द्र आचार्य जी हमारे भी पथ-प्रदर्शक रहे हैं। सभी आचार्य जी, भैया-बहनों के चहेते हैं। अभिभावक प्रतिनिधि शशिकला ने कहा कि कौशलेन्द्र आचार्य जी प्रारंभ से ही शिक्षा का अलख जगा रहे हैं। यह बहुत मृदुभाषी, अभिभावक संपर्क में निपुण हैं। अवकाश प्राप्त शिक्षक एवं समिति सदस्य अशोक कुमार सिंह ने कहा कि अपने आत्मीय कौशलेन्द्र झा आचार्य जी का विद्यालय के प्रति गहरा लगाव रहा है। ये दिन रात एक करके विद्यालय के चहुंमुखी विकास के लिये अनवरत परिश्रम करते रहे। वहीं कोषाध्यक्ष राजकुमार प्रसाद एवं पूर्व छात्र राहुल चौबे ने भी आचार्य की प्रशंसा की। आचार्य प्रदीप कुमार गुप्ता ने कहा कि ये विदाई नहीं स्नेह मिलन है और हम सब आशान्वित हैं कि आचार्य जी हम सभी का मार्गदर्शन करते रहेंगे। कार्यक्रम के अंत में लोगों ने आचार्य श्री झा को उपहार एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया। मंच संचालन आचार्य सुधीर प्रसाद श्रीवास्तव ने किया। उस मौके पर आचार्य सुधीर प्रसाद श्रीवास्तव, कृष्ण कुमार पाण्डेय, नंदलाल पांडेय, अविनाश कुमार, नीरज सिंह, सत्येंद्र प्रजापति, उमेश कुमार, प्रसून कुमार, सुजीत दूबे, रूपेश कुमार, कृष्ण मुरारी, अंकित जैन, दिनेश कुमार, अशोक कुमार, हिमांशु झा समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

'रेस 4' में सैफ की वापसी, रकुल प्रीत सिंह बनीं लीड एक्ट्रेस

सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म 'मेरे हस्बैंड की बीवी' बॉक्स ऑफिस पर खास कमाल नहीं दिखा पाई, लेकिन रकुल प्रीत सिंह के करियर को एक बड़ा प्रोजेक्ट मिल गया है। रकुल प्रीत सिंह को 'रेस 4' में लीड एक्ट्रेस के तौर पर कास्ट किया गया है, जहां वह सैफ अली खान के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी। पिछले काफी समय से 'रेस 4' के लिए लीड हीरोइन की तलाश जारी थी, जो अब रकुल के नाम पर आकर खत्म हो गई है। फिल्म को लेकर जल्द ही ऑफिशियल अनाउंसमेंट होने की उम्मीद है। रिपोर्ट के मुताबिक रकुल प्रीत सिंह को 'रेस 4' में लीड एक्ट्रेस के तौर पर कास्ट किया गया है। यह थ्रिलर फिल्म सैफ अली खान और रमेश तौरानी के लिए इस वक्त प्राथमिकता बनी हुई है। रकुल इस लोकप्रिय एक्शन-थ्रिलर फ्रैंचाइजी का हिस्सा बनकर बेहद उत्साहित हैं। बताया जा रहा है कि फिल्म में उनका बिल्कुल नया अवतार दर्शकों को देखने मिलेगा। रकुल इससे पहले भी कई बड़े बजट की फिल्मों का हिस्सा रह चुकी हैं और अब 'रेस 4' में एक नई चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हैं। जल्द ही फिल्म से जुड़ी बाकी डिटेल्स भी सामने आएंगी। रकुल प्रीत सिंह अब तक कई रोमांटिक कॉमेडी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं, लेकिन 'रेस 4' उनके करियर की पहली थ्रिलर फिल्म होगी। सूत्रों के मुताबिक, जल्द ही फिल्म का आधिकारिक ऐलान किया जाएगा। यह पहला मौका होगा जब रकुल और सैफ अली खान एक साथ किसी फिल्म में नजर आएंगे। हालांकि, अभी यह साफ नहीं हुआ है कि रकुल फिल्म में सैफ की जोड़ीदार होंगी या किसी अन्य भूमिका में दिखेंगी। इस साल की शुरूआत में निमार्ता रमेश तौरानी ने 'रेस 4' में सैफ अली खान की मौजूदगी की पुष्टि की थी। अब फैंस को फिल्म से जुड़ी बाकी कास्ट और कहानी को लेकर भी अपडेट का इंतजार है।

बॉलीवुड में एआई क्रांति की शुरूआत, एआई फिल्म नायशा का ट्रेलर लॉन्च

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) अब कहानी कहने के नियमों को फिर से परिभाषित कर रहा है। इसी के तहत बॉलीवुड की पहली पूर्ण एआई-पॉवर्ड फिल्म नायशा का ट्रेलर लॉन्च किया गया। जिसमें एआई-जनरेटेड मुख्य किरदार नायशा बोस और जैन कपूर को रोमांचक प्रेम कहानी में दिखाया गया है। नायशा डिजिटल एंटरटेनमेंट की दुनिया में बड़ा बदलाव लाने वाली है। यह फिल्म नवीनतम एआई तकनीक को कहानी कहने के साथ जोड़कर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मानवीय भावनाओं के बीच की दूरी को खत्म करने का प्रयास कर रही है। इसका आधिकारिक ट्रेलर एआई-पॉवर्ड शानदार विजुअल्स, दिल को छू लेने वाली कहानी और चार्टबस्टर साउंडट्रैक की झलक देता है। यह फिल्म अमेजिंग इंडियन स्टोरीज नामक नए एआई कंटेंट स्टूडियो द्वारा निर्मित की गई है, जिसका उद्देश्य सिनेमाई अनुभवों को नए सिरे से परिभाषित करना है। प्रतिष्ठित फिल्ममेकर विवेक अंचलिया फिल्म के निमार्ता और निर्देशक हैं। तिकड़म (जियो हॉटस्टार) के निर्देशक और राजमा चावल (नेटफ्लिक्स ओरिजिनल) के सह-लेखक रह चुके अंचलिया का मानना है कि नायशा बॉलीवुड में एआई के व्यापक उपयोग की शुरूआत करेगा।

महाकुम्भ समापान के बाद आज खाली पड़ा मेला क्षेत्र

सीएम हेमंत ने किया राज्य कर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना का शुभारंभ

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने शुक्रवार को झारखंड विधानसभा सभागार में राज्य कर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना का शुभारंभ किया, जिससे लाखों सरकारी कर्मियों को स्वास्थ्य सुरक्षा मिलेगी। इस योजना के तहत सरकारी कर्मियों को पांच लाख रुपये तक का कैशलेस इलाज मिलेगा, जबकि गंभीर बीमारियों की स्थिति में यह राशि 10 लाख रुपये तक होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस तरह हमारी सरकार ने पुरानी पेंशन योजना बहाल कर राज्य कर्मियों को सेवा निवृत्ति के बाद भी आर्थिक संबल देने का काम किया है, उसी तरह राज्य कर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना के माध्यम से कर्मियों के समुचित इलाज का पूरा खर्च वहन की दिशा में यह बड़ा कदम उठाया है। अब राज्य के किसी भी श्रेणी के सरकारी कर्मियों को अपनी बीमारी के इलाज खर्च के लिए परेशान होने की जरूरत नहीं है। इस योजना के माध्यम से उनके पूरे इलाज का खर्च सरकार उठाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जीवन शैली और कार्य प्रणाली में बदलाव की वजह से स्वास्थ्य समस्याएं भी तेजी से बढ़ रही है। रहन-सहन और खान -पान में जिस तरह से बदलाव हो रहा है, उसने कमोबेश हर व्यक्ति किसी ना किसी बीमारी से ग्रसित कर दिया है। ब्लड शुगर और ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियां आम हो चुकी है तो कई गंभीर बीमारियां भी लोगों को अपनी चपेट में तेजी से लेती जा रही है। अस्पतालों का इलाज काफी महंगा हो चुका है। जैसे अस्पताल और डॉक्टर होंगे, वैसा ही इलाज का खर्च भी होगा। ऐसे में लोगों को अपनी बीमारी के इलाज के क्रम में आर्थिक मोर्चे पर काफी परेशानियां होती है। इस वजह से हमारी सरकार स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर बनाने की मुहिम में जुटी है, ताकि लोगों को कम से कम खर्चे में बेहतर से बेहतर उपचार की सुविधा मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार सभी को एक नजरिए से देखती है। चाहे किसान हो या मजदूर या कोई और वर्ग तथा तबका, सभी के साथ सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ खड़ी है । उन्होंने कहा कि राज्य के विकास के लिए संकल्पित होकर काम करने की आज आवश्यकता है और हमारी सरकार इस दिशा में योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ रही है। उल्लेखनीय है कि राज्य कर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना एक मार्च 2025 से लागू हो रही है । पहले चरण में इस योजना का लाभ कार्यरत सभी राज्य कर्मियों को मिलने जा रहा है। जबकी अन्य श्रेणी के कर्मियों के लिए यह योजना एक मई 2025 से लागू होगी। इस योजना का लाभ राज्य के सभी सेवाओं के कर्मी, विधानसभा सदस्य, सेवानिवृत कर्मी, पारिवारिक पेंशन प्राप्तकर्ता एवं उनके आश्रित, राज्य विधानसभा के पूर्व सदस्य, अखिल भारतीय सेवाओं के इच्छुक सेवारत/ सेवानिवृत्त पदाधिकारी, राज्य सरकार के विभिन्न बोर्ड, निगम, संस्थान, संस्था में कार्यरत /सेवानिवृत्त नियमित कर्मी, विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों के कार्यरत/ सेवानिवृत शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मी तथा निर्बंधित अधिवक्ताओं को मिलेगा। इसके तहत स्वास्थ्य विभाग द्वारा पैनल में शामिल देश के किसी भी अस्पताल में 5 लाख रुपये तक का कैशलेश इलाज लाभुक करा सकेंगे। गंभीर बीमारियों की स्थिति में 10 लाख रुपये तक चिकित्सा व्यय का वहन भी किया जाएगा। अगर इलाज में और भी खर्च हो तो कॉरपस फंड से वह उपलब्ध कराया जाएगा। वहीं, विशेष परिस्थितियों में लाभुकों को एयर एंबुलेंस की भी सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इस कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्र नाथ महतो, मंत्री डॉ इरफान अंसारी, मंत्री संजय प्रसाद यादव समेत कई अन्य मंत्री एवं विधायक गण, मुख्य सचिव अलका तिवारी, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह तथा कई अन्य अधिकारी मौजूद थे।

समरसता का महाकुंभ

अनिल पांडेय

कुछ कारणों से भारत में सनातन धर्म की एक ऐसी छवि पेश करने की कोशिश की गई जिसमें इसकी उदात्त चेतना, समरसता व विविधता में एकता की भावना को नजरअंदाज कर इसे सिर्फ जातियों के खाने में बांट दिया गया। इसके कुछ राजनीतिक कारण भी थे। एक सरल राजनीतिक गणित यह था देश की बहुदलीय व्यवस्था में कोई दल 30 प्रतिशत वोटों के साथ भी सत्ता में आ जाता है और यह पूरा आख्यान चुनावी लाभ के लिए रचा गया। इसका एकमात्र मकसद था दलित-पिछड़ा के नाम पर एक-दो जातियों और थोक मुस्लिम वोटों के सहारे सत्ता में आना। यही वो वजह है जिसके लिए आज भी जातिगत जनगणना की मांग उठाई जा रही है ताकि जाति-बिरादरी के बंधनों से उपर उठ रहे बहुसंख्यक समाज की एकता को खंडित कर चुनावी लाभ उठाया जा सके। लेकिन क्या सनातन धर्म जातियों में बिखरा समाज है या फिर समरसता की एक अदृश्य सरस्वती सदियों से प्रवाहमान है? इस सवाल के जवाब प्रयागराज में 45 दिन चले महाकुंभ में मिले जहां देश के कोने-कोने से आए 66 करोड़ हिंदुओं ने गंगा में डुबकी लगाई। अगर सिर्फ संख्या पर ही जाएं तो जाति के मुद्दे पर लेफ्ट-लिबरल नरेटिव अपने ही जाल में फंसा दिखता है। इतने करोड़ सवर्ण कहां हैं देश में? जाहिर है कि इसमें बड़ी आबादी दलितों-पिछड़ों की ही रही होगी। कुंभ में इतने बड़े पैमाने पर दलितों-पिछड़ों के आने से ब्राह्मणवादी व्यवस्था के लेफ्ट-लिबरल नरेटिव को गहरी चोट लगनी स्वाभाविक है। इसलिए तरह-तरह से दुष्प्रचार के प्रयास भी हुए। किसी ने भगदड़ का मुद्दा उठाया, तो किसी ने गंदगी का तो किसी ने इसे फालतू आयोजन बता डाला। एक राष्ट्रीय पार्टी के अध्यक्ष ने तो यहां तक पूछ लिया कि क्या त्रिवेणी में डुबकी लगाने से गरीबी दूर हो जाएगी? जाहिर है महाकुंभ में समाज के सभी वर्गों की जोर-शोर से भागीदारी ने कथित लिबरल-सेकुलर गैंग के उस नरेटिव की धार को भोथरा कर दिया है जो हिंदू समाज को जाति के चश्मे से देखता था। देश के हर कोने से भीड़ भरी बसों और ट्रेनों में यात्रा कर और फिर कई कोस पैदल चल संगम तट पर डुबकी लगाने पहुंचे लोगों के मन में जाति थी या वे किसी आध्यात्मिक उद्देश्य व श्रद्धा से प्रेरित होकर इतनी तकलीफें झेलकर यहां पहुंचे थे? और इस विराट महाकुंभ के जो फोटो और वीडियो आए हैं, उनमें देखा जा सकता है कि बड़ी आबादी दिल्ली-मुंबई के कारपोरेट पेशेवरों के बजाय उन मुफस्सिल गांवों और कस्बों के लोगों की थी जिन्होंने रोटी-रोटी के कठिन संघर्ष में भी अपनी धार्मिक-सांस्कृतिक चेतना को जीवंत रखा है। जाति-पाति, ऊंच-नीच, भाषा और अमीरी गरीब से परे लोगों के मन में एक ही भाव था कि इस आध्यात्मिक, धार्मिक और सांस्कृतिक संगम में सब विभेद को भूल कर केवल राष्ट्रीयता के भाव का तिलक लगाकर इसका चिरकाल तक साक्षी बनना है। वे एक दायित्व बोध से भी बंधे रहे। महाकुंभ में औसतन हर दिन डेढ़ करोड़ लोगों ने पवित्र संगम में स्नान किया। भगदड़ के एक हादसे के अलावा सनातन के इस विराट जमावड़े से एक भी नकारात्मक खबर नहीं आई। छियासठ करोड़ लोग पहुंचे, डुबकी लगाई और अभीष्ट पूरा हुआ। यह अनुशासन था। किसी ने किसी की जाति नहीं पूछी। सामूहिकता के इस उत्सव में करोड़ों लोगों का एक लक्ष्य और एक विचार था कि भारतीय संस्कृति के महाकुंभ में शामिल होना है। इसके लिए किसी को न्योता भी नहीं दिया गया था। यह सब सहज, सरल और स्वप्रेरित था। भारतीय संस्कृति का मूल आधार ही समरसता है। ऊपर से जातियों में बंटे इस समाज में एक ऐसी अदृश्य एकता है जो अटूट है। तभी तो इकबाल कहते हैं, कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी, सदियों रहा है दुश्मन दौरे जहां हमारा। इतने झंझावातों के बाद भी एक राष्ट्र के तौर पर अपनी संस्कृति को हमने हजारों वर्षों से संजोए रखा है। इतिहास गवाह रहा है कि जो राष्ट्र अपनी संस्कृति की रक्षा नहीं कर पाया उसका अस्तित्व मिट गया। और जब-जब इस पर संकट आया साधु-संतों के साथ आम जनता ने प्राणपण से इसकी रक्षा में अपना सर्वस्व झोंका है। मध्य काल में जब आक्रांताओं के अत्याचारों से समाज कराह रहा था तो भक्ति आंदोलन ने हमारी धार्मिक- सांस्कृतिक चेतना को पुनर्जीवित किया। स्वतंत्रता आंदोलन में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के ह्यगीता-गोरक्षा-गणपतिह्ण ने जनमानस की चेतना को झकझोरा। यानी जाति नहीं बल्कि वह बृहद धार्मिक-सांस्कृतिक चेतना है जो राष्ट्र को एकसूत्र में पिरोती है। हमारी उदात्त चेतना, हमारी उत्सवधर्मिता हमारी सबसे बड़ी शक्ति हैं। इसकी घोषणा वेद के मंत्र भी करते हैं-

'समानी व आकूतिः' मंत्रः समानी व आकूतिः समाना हृदयानि वः। समानमस्तु वो मनो यथा वः सुसहासति।

यानी समरसता हमारी संस्कृति की प्रत्येक परंपरा, पर्व और त्योहार के केंद्र में है। जिस साफ्ट पावर की बात आज की जा रही है, वह हमारे पास हमेशा से रहा है। बस सायास तरीके से इसे सामने नहीं आने दिया गया। जिस साफ्ट पावर के लिए दूसरे देश व संस्कृतियां नाना प्रकार के उपक्रम करती हैं, हम अपने रंगबिरगे पर्वों, त्योहारों, नृत्य-संगीत, भजन-कीर्तन और कुंभ जैसे आयोजनों से बिना किसी प्रयास के हासिल कर लेते हैं। आस्था का यह महाकुंभ सनातन संस्कृति के साफ्ट पावर का शंखनाद है। इतनी विविधताओं के बावजूद पूरी दुनिया में मौजूद सनातनधर्मियों की लगभग आधी आबादी ने संगम तट पर एकता के इस महाकुंभ में डुबकी लगाई। महाकुंभ से गरीबी खत्म होगी या नहीं, ये अलग सवाल है लेकिन इसने देश की सांस्कृतिक चेतना के पुनरुत्थान में अपनी भूमिका निभा दी है। ये वो लोग थे जो इससे किंचित भयभीत नहीं थे कि उन्हें रूढ़िवादी और पोंगापंथी कहा जाएगा। उल्टे वे गर्व से टीका लगाए अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया मंचों पर डाल रहे थे। साफ है कि अब हिंदू अपनी धार्मिक पहचान व आस्थाओं को लेकर शर्मिंदा नहीं हैं और न ही उन्हें किसी से कोई प्रमाणपत्र चाहिए। यह एक आश्वस्त और आत्मविश्वासी समाज है। इस ऐतिहासिक महाकुंभ ने दुनिया के सामने हमारी धार्मिक-सांस्कृतिक एकजुटता का सबूत पेश किया है और जाति-बिरादरी के बांटने वाले आख्यान को दरकिनार करते हुए इस बात पर मुहर लगाई है कि तमाम भाषाओं, संस्कृतियों, राति-रिवाजों और खान-पान की विविधता के बावजूद सांस्कृतिक-आध्यात्मिक समरसता की अदृश्य सरस्वती का प्रवाह आज भी अविरल है, आगे भी रहेगा।

(लेखक मीडिया रणनीतिकार व राजनीतिक विश्लेषक हैं)

झारखंड राय विश्वविद्यालय का पांचवां दीक्षांत समारोह

सपनों को साकार करने के लिए काम करें विद्यार्थी : राज्यपाल

रांची। राज्यपाल सह कुलाधिपति संतोष गंगवार शुक्रवार को झारखंड राय विश्वविद्यालय के पांचवें दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। कार्यक्रम में राज्यपाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह केवल एक शैक्षिक घटना नहीं, बल्कि यह हर विद्यार्थी के जीवन में एक नए अध्याय की शुरूआत का प्रतीक है। यह दिन उनके परिश्रम, संघर्ष और समर्पण का उत्सव है। अंत में, विद्यार्थियों, आप सभी देश की उम्मीद और भविष्य हैं। उन्होंने कहा कि सुभाष चंद्र बोस ने कहा था, तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा, वैसे ही आप सभी अपने देश को अपने ज्ञान, कड़ी मेहनत और समर्पण से एक सशक्त और समृद्ध राष्ट्र बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि आप जिस दिशा में भी कदम

बढ़ाएं, सफलता आपके साथ रहेगी। हमेशा अपने सपनों को साकार करने की दिशा में काम करें और अपनी सफलता की कहानी खुद लिखें। राज्यपाल ने कहा कि आप सभी ने जो सीखा है, वह केवल एक आधार है और जीवन भर आपको और अधिक ज्ञान अर्जित करना है। यह दिन आपके आत्मविश्वास को सुदृढ़ करेगा, क्योंकि यह दशार्ता है कि कठिनाइयों के बावजूद आप सफलता की ऊंचाई तक पहुंचने में सक्षम हैं। राज्यपाल ने कहा कि इस दीक्षांत समारोह में 393 विद्यार्थियों को डिग्री दी गई, जिसमें 122 पीजी और 184 ग्रेजुएशन के विद्यार्थी शामिल हैं। यह विशेष अवसर विद्यार्थियों और उनके परिजनों के लिए भावनाओं से भरा हुआ है। यह एक युग का समापन है और साथ ही साथ नए सफर की शुरूआत भी है। उन्होंने कहा कि 92 बेटियों को डिग्री दी जा रही है, जिनमें से 10 को पीएचडी की उपाधि मिल रही है। यह हमारे समाज की बेटियों के बढ़ते आत्मविश्वास और सशक्तीकरण का प्रतीक है।

प्रभात टुडे नेटवर्क के लिए राधेरमण चौबे द्वारा गुलाब मेमोरियल मार्केट श्री बंशीधर नगर गढ़वा झारखंड से प्रकाशित, प्रधान संपादक-धीरेन्द्र चौबे, संपादक-धर्मेन्द्र कुमार चौबे* फोन : 9471737671, web-www.banshidharnews.com-Email-prabhatodaynetwork@gmail.com, *समाचारों के चयन के लिए पी.आर.बी एक्ट के तहत जिम्मेदार (सभी वादों का निपटारा नगर ऊंटारी अनुमंडलीय न्यायालय के अधीन होगा)